न्यूज़ टुडे

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का शुभारंभ किया

अक्टूबर 2023 में केंद्र सरकार ने **राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड** की स्थापना को आधिकारिक रूप से अधिसूचित किया था।

राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड (NTB) के बारे में

- **मुख्यालय:** निजामाबाद (तेलंगाना)। **निजामाबाद** हल्दी का एक प्रमुख उत्पादक क्षेत्र है।
- **मंत्रालय:** वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय।
- **मुख्य सदस्य:**
  - **मुख्य विभाग और मंत्रालय:** आयुष मंत्रालय; केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों, जैसे- औषध विभाग, कृषि और किसान कल्याण विभाग, वाणिज्य और उद्योग विभाग के प्रतिनिधि;
  - **राज्य:** रोटेशन के आधार पर राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य हितधारकों के प्रतिनिधि।
- **प्रकार:** NTB एक कार्यकारी निकाय है, वैधानिक निकाय नहीं है।

वैश्विक हल्दी उद्योग में भारत का प्रभुत्व

- **भारत** हल्दी का **सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक** है।
- वैश्विक हल्दी उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी **70%** से अधिक है तथा वैश्विक हल्दी व्यापार में भारत की हिस्सेदारी **62%** से अधिक है।
- **2023-24 में भारत: 3.05 लाख हेक्टेयर** में हल्दी की खेती की गई थी और लगभग **10 लाख टन से अधिक** का उत्पादन हुआ था।
- **हल्दी के सबसे बड़े उत्पादक राज्य:** महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु।
- भारत में हल्दी की **30 से अधिक किस्में** उगाई जाती हैं और इसे देश के **20 से अधिक राज्यों** में उगाया जाता है।
- **GI (भौगोलिक संकेत) टैग प्राप्त हल्दी की मुख्य किस्में: इरोड** हल्दी (तमिलनाडु), **लाकाडोंग** हल्दी (मेघालय) और **कंधमाल** हल्दी (ओडिशा)।
  - **लाकाडोंग हल्दी** उच्च करक्यूमिन सामग्री के लिए प्रसिद्ध है।
- **लक्ष्य: पांच वर्षों** में उत्पादन को **दोगुना करके 20 लाख टन** करना;
- **2030 तक** हल्दी का निर्यात **1 बिलियन अमेरिकी डॉलर** तक पहुंचने का अनुमान है।

हल्दी (करकुमा लोंगा) के बारे में;

- **उपनाम:** इसे '**गोल्डन स्पाइस**' भी कहा जाता है।
- **प्रकार: बारहमासी, प्रकंदयुक्त शाकीय** पादप है। यह **भारतीय उपमहाद्वीप और दक्षिण-पूर्व एशिया** में पाया जाने वाला स्थानीय पादप है।
- **हल्दी का महत्त्व:** इसमें **एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट और डिटॉक्सिफाइंग गुण** होते हैं। यह **लिवर से विषाक्त पदार्थों को हटाने** (Detoxify) में मदद करती है तथा इस प्रकार लिवर को स्वस्थ रखती है।
- **उपयुक्त जलवायु परिस्थितियां:** हल्दी निम्नलिखित परिस्थितियों में **उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय जलवायु में उगती है:**
  - **तापमान:** 20°C और 30°C के बीच।
  - **वर्षा:** 1,500 से 2,500 मिमी प्रतिवर्ष।
  - **मिट्टी:** अच्छी जल निकासी वाली और कार्बनिक पदार्थों से भरपूर उपजाऊ मिट्टी।
  - **ऊंचाई:** समुद्र तल से 1,500 मीटर तक की ऊंचाई पर सबसे अच्छी तरह से बढ़ती है।

केंद्र ने पीएम-सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के तहत विभिन्न घटकों के कार्यान्वयन के लिए परिचालन दिशा-निर्देश जारी किए

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने इस योजना के तहत "**केंद्रीय वित्तीय सहायता (CFA)**" और "**भुगतान सुरक्षा तंत्र**" घटकों के कार्यान्वयन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

मुख्य दिशा-निर्देशों पर एक नजर:

- **उपभोक्ताओं के लिए रूफटॉप सोलर प्लांट्स (RTS) स्थापित करने हेतु मॉडल:**
  - **नवीकरणीय ऊर्जा सेवा कंपनी (Renewable Energy Service Company: RESCO) मॉडल:**
    - RTS प्लांट्स को RESCO (प्राइवेट कंपनी) द्वारा खरीदा जाएगा तथा स्थापित और रखरखाव किया जाएगा। उपभोक्ता द्वारा उपभोग के लिए टैरिफ का भुगतान किया जाएगा।
    - RESCO विद्युत क्रय समझौते (Power Purchase Agreement) के तहत **डिस्कॉम को अतिरिक्त बिजली** बेच सकते हैं।
  - **यूटिलिटी लेड एग्रीगेशन (ULA) मॉडल: डिस्कॉम और राज्य सरकार/ राज्य के स्वामित्व वाली संस्थाएं** उपभोक्ताओं की ओर से सौर परियोजनाएं स्थापित कर सकती हैं।
- **केंद्रीय वित्तीय सहायता (CFA):** रूफटॉप सोलर प्लांट्स लगाने के लिए **एक करोड़ उपभोक्ताओं को ऋण** दिया जाएगा।
  - **पात्रता:** RTS प्लांट को ग्रिड से और स्थानीय डिस्कॉम के रेसिडेंशियल पावर कनेक्शन से जोड़ना होगा।
    - सौर मॉड्यूल **घरेलू स्तर पर ही विनिर्मित होने चाहिए और मौजूदा RTS केंद्रीय वित्तीय सहायता के लिए पात्र नहीं होंगे।**
    - **ULA मॉडल के तहत, यह केवल उन घरों के लिए है, जिनकी रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन क्षमता 3 kW तक है।**
- **भुगतान सुरक्षा तंत्र:** इसका उद्देश्य RESCO को समय पर भुगतान सुनिश्चित करके RESCO आधारित मॉडल में निवेश को जोखिम मुक्त करना है।
  - **इसके लिए 100 करोड़ रुपये का कोष** स्थापित किया गया है। इस कोष को **राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी (NPIA)** द्वारा प्रबंधित किया जाएगा।
  - मंत्रालय की मंजूरी से इस कोष को **अतिरिक्त अनुदान या निधियों से बढ़ाया** जा सकता है।

पीएम- सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के बारे में

- **मंत्रालय:** नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय।
- **उद्देश्य:** नवीकरणीय ऊर्जा में सोलर रूफटॉप क्षमता की हिस्सेदारी बढ़ाना और घरेलू उपभोक्ताओं को अपनी बिजली स्वयं उत्पादित करने में सशक्त बनाना।
- **अवधि:** वित्त वर्ष 2026-27 तक।
- **कार्यान्वयन:** राष्ट्रीय स्तर पर **राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन एजेंसी (NPIA)** और राज्य स्तर पर **राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों (SIAs)** द्वारा।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) की स्थापना के 150 वर्ष पूरे हुए

इस अवसर पर **प्रधान मंत्री ने मिशन मौसम का उद्घाटन** किया। इस मिशन को सितंबर 2024 में कैबिनेट से मंजूरी मिल चुकी थी।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के बारे में

- **स्थापना:** 1875 में स्थापित यह **भारत की राष्ट्रीय मौसम विज्ञान सेवा** है।
- **मंत्रालय:** यह पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
- **मुख्यालय:** इसका मुख्यालय **नई दिल्ली** में है। इसके **6 क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र** हैं। ये केंद्र **मुंबई, चेन्नई, नई दिल्ली, कोलकाता, नागपुर और गुवाहाटी** में स्थित हैं।
  - IMD, **विश्व मौसम विज्ञान संगठन के 6 क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम विज्ञान केंद्रों** में से एक है।
- **IMD की भूमिका:** यह **मौसम और जलवायु पूर्वानुमान** संबंधी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करता है। ये सेवाएं **आपदा प्रबंधन, कृषि, विमानन और लोक सुरक्षा** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

IMD की कुछ प्रमुख उपलब्धियों पर एक नजर

- **चक्रवात का पूर्वानुमान:** इसके चलते **चक्रवातों से होने वाली मौतों का आंकड़ा घटकर 2020-2024 में शून्य** हो गया है। **वर्ष 1999 में 10,000 लोगों की मृत्यु** हुई थी। IMD से **फैलिन (2013), हुदहुद (2014), फणी (2019)** जैसे चक्रवातों का सफलतापूर्वक पूर्वानुमान जारी किया गया था।
  - **न्यूमेरिकल वेदर प्रिडिक्शन:** 2014 से IMD के पूर्वानुमान की सटीकता में **40%** सुधार हुआ है।
- **IMD की लोक पहुंच और सेवाएं**
  - **सभी के लिए अग्रिम चेतावनी:** मौसम संबंधी चेतावनियां और पूर्वानुमान अब भारत की 90% से अधिक आबादी तक पहुंचते हैं।
  - **10-दिवसीय मौसम पूर्वानुमान:** लोग किसी भी समय पिछले 10 दिनों और अगले 10 दिनों की मौसम संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
  - **किसानों को लाभ:** किसानों और पशुपालकों द्वारा मौसम से संबंधित सलाह का उपयोग पिछले दशक में 10% था, जो अब बढ़कर 50% से अधिक हो गया है।

IMD की मौसम विज्ञान संबंधी पहलें

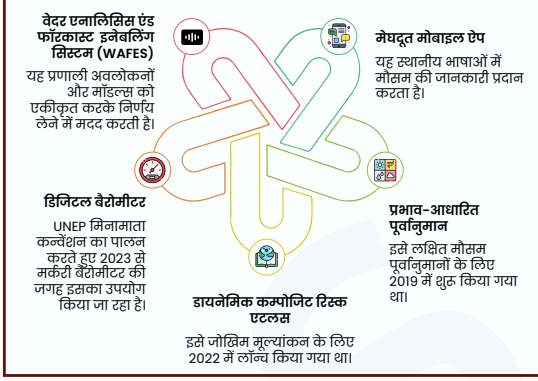

मिशन मौसम के बारे में

- **"मिशन मौसम"** भारत के **मौसम और जलवायु संबंधी विज्ञान, अनुसंधान एवं सेवाओं** को बेहतर बनाने वाली एक बहुआयामी पहल है।
- **मिशन मौसम की मुख्य विशेषताओं पर एक नजर:**
  - इसके तहत **रडार व सैटेलाइट्स, विंड प्रोफाईलर्स, रेडियोमीटर, हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटर (HPC) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस / मशीन लर्निंग (AI/ ML) आधारित मॉडल्स के व्यापक नेटवर्क** की स्थापना की जाएगी। इससे मौसम के बहुआयामी अवलोकन एवं पूर्वानुमान में सहायता मिलेगी।
  - **भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) में 'क्लाउड-सिमुलेशन चैंबर'** की स्थापना की जाएगी। इसका उपयोग **क्लाउड सीडिंग** जैसे मौसम संबंधी हस्तक्षेपों के परीक्षण के लिए किया जाएगा।
- **कार्यान्वयन मंत्रालय:** पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES)।

भारत ने दुनिया का सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेन इंजन बनाया

इस ट्रेन इंजन का **पहला ट्रायल रन हरियाणा के जींद-सोनीपत मार्ग** पर आयोजित होगा।

- यह इंजन **भारतीय रेलवे द्वारा स्वदेशी तकनीक का उपयोग करके** बनाया गया है। इसकी **क्षमता 1,200 हॉर्स पावर** है।
- दुनिया में केवल **4 देशों (जर्मनी, फ्रांस, स्वीडन और चीन) में हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनें** हैं। इन ट्रेनों में **500 से 600 हॉर्स पावर वाले** ट्रेन इंजन हैं।

स्वच्छ ईंधन के रूप में हाइड्रोजन

- हाइड्रोजन एक **स्वच्छ और बहुपयोगी ऊर्जा संसाधन** है। इसका उपयोग करके **परिवहन, उद्योग और बिजली उत्पादन क्षेत्रकों को कार्बन मुक्त** बनाया जा सकता है।
- **हाइड्रोजन ऊर्जा के प्रकार**
  - **ब्लू हाइड्रोजन:** इसे **स्टीम मीथेन रिफॉर्मिंग प्रक्रिया द्वारा प्राकृतिक गैस से प्राप्त** किया जाता है। इसमें प्राकृतिक गैस को बहुत गर्म भाप के साथ एक उत्प्रेरक की उपस्थिति में मिलाया जाता है। इस प्रक्रिया में **कार्बन डाइऑक्साइड भी एक बाय-प्रोडक्ट (उपोत्पाद)** के रूप में उत्पन्न होती है।
  - **ग्रे हाइड्रोजन:** यह भी **स्टीम मीथेन रिफॉर्मिंग (SMR)** प्रक्रिया के माध्यम से प्राकृतिक गैस से उत्पादित होती है। इस प्रक्रिया में **उच्च मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2)** उत्सर्जित होती है।
  - **ग्रीन हाइड्रोजन:** इसे किसी नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत (जैसे पवन व सौर ऊर्जा) द्वारा उत्पादित विद्युत का उपयोग करके जल के विद्युत अपघटन (electrolysis) के माध्यम से उत्पादित किया जाता है। इस प्रक्रिया में **हानिकारक बाय-प्रोडक्ट उत्पन्न नहीं** होते हैं।
  - **पिंक हाइड्रोजन:** यह **परमाणु ऊर्जा द्वारा संचालित विद्युत अपघटन प्रक्रिया** के माध्यम से प्राप्त हाइड्रोजन ईंधन है।

हाइड्रोजन ऊर्जा के लाभ

- **प्रचुर मात्रा में उपलब्ध:** हाइड्रोजन, **ब्रह्मांड के द्रव्यमान का लगभग 75%** है।
- **स्वच्छ ऊर्जा:** फ्यूल सेल में उपयोग किए जाने पर **बाय-प्रोडक्ट के रूप में केवल जल** प्राप्त होता है।
- ऊर्जा के अन्य स्रोतों की तुलना में **यह अत्यधिक प्रभावी ऊर्जा संसाधन** है।

मुख्य चुनौतियां

- वर्तमान में **हाइड्रोजन फ्यूल उत्पादित करने में अधिक खर्च** करना पड़ता है;
- हाइड्रोजन का **भंडारण और परिवहन अधिक जटिल** है। चूंकि, यह **उच्च ज्वलनशील** है, इसलिए **अधिक सुरक्षा बरतनी** होती है, आदि।

भारत में हाइड्रोजन फ्यूल हेतु शुरू की गई पहलें

- **ग्रीन हाइड्रोजन नीति (2022):** इस नीति में भारत को **दुनिया में ग्रीन हाइड्रोजन का अग्रणी उत्पादक और आपूर्तिकर्ता** बनाने का लक्ष्य रखा गया है।
- **नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन (2023):** इसका उद्देश्य भारत को **ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन और निर्यात का वैश्विक केंद्र** बनाना है।
- **स्ट्रेटेजिक इंटरवेंशंस फॉर ग्रीन हाइड्रोजन ट्रांजिशन (SIGHT) कार्यक्रम:** इसका उद्देश्य **इलेक्ट्रोलाइजर के विनिर्माण और ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए प्रोत्साहन** प्रदान करना है।

केंद्रीय मंत्री ने PMKSY 2.0 के वाटरशेड डेवलपमेंट घटक के तहत 56 नई वाटरशेड विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी

वाटरशेड डेवलपमेंट: यह जल संरक्षण तथा भूमि एवं वनस्पति की गुणवत्ता में सुधार के लिए जलग्रहण यानी वाटरशेड क्षेत्र के भीतर प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन की प्रक्रिया है।

- **वाटरशेड:** वाटरशेड एक भौगोलिक क्षेत्र है, जहां से वर्षा जल या बर्फ के पिघलने के बाद जल अलग-अलग चैनलों (धाराओं) से बहते हुए खाड़ियों, झरनों, नदियों और अंततः किसी बड़े जलाशय या समुद्र में मिल जाता है।

PMKSY 2.0 के वाटरशेड डेवलपमेंट घटक के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की मुख्य विशेषताएं

- **कार्यान्वयन:** ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत भूमि संसाधन विभाग।
- **शामिल राज्य:** राजस्थान, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, ओडिशा, तमिलनाडु, असम, नागालैंड, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सिक्किम।
- **क्षेत्र कवरेज:** प्रति परियोजना लगभग 5,000 हेक्टेयर (पहाड़ी क्षेत्रों में कम)।

प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY-WDC) के वाटरशेड डेवलपमेंट घटक के बारे में

- **पृष्ठभूमि:**
  - यह एक **केंद्र प्रायोजित योजना (CSS)** है। भूमि संसाधन विभाग 2009-10 से **'एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन कार्यक्रम'** (IWMP) को लागू कर रहा है।
  - **WDC-PMKSY 1.0:** 2015-16 में, IWMP को प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY) की अम्ब्रेला योजना के वाटरशेड डेवलपमेंट घटक के रूप में शामिल किया गया था।
- **WDC-PMKSY 2.0:** इसकी शुरुआत PMKSY-WDC 1.0 की सफलता को देखते हुए की गई है।
  - **WDC-PMKSY 2.0** की अवधि: 2021-2026 तक।
  - **लक्ष्य:** 49.50 लाख हेक्टेयर।
  - **इसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं:**
    - भूमि क्षरण की समस्या का समाधान करना,
    - किसानों की आय में वृद्धि करना, तथा
    - मृदा संरक्षण, वर्षा जल संचयन और चारागाह विकास जैसी गतिविधियों का समर्थन करके जलवायु लचीलेपन में सुधार करना।

प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY) के बारे में

- PMKSY को **2015-16** में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य **हर खेत तक पानी पहुंचाना और सुनिश्चित सिंचाई के तहत खेती योग्य क्षेत्र का विस्तार** करना है।
- PMKSY एक व्यापक योजना है। इस में **जल शक्ति मंत्रालय** द्वारा कार्यान्वित किए जाने वाले **दो प्रमुख घटक** शामिल हैं। ये घटक हैं-
  - त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (AIBP); तथा
  - हर खेत को पानी (HKKP)।
- **"प्रति बूंद अधिक फसल"** प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY) का एक महत्वपूर्ण घटक था। इसे वर्ष **2016-21** के दौरान **कृषि और किसान कल्याण विभाग (DoA&FW)** द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा था। हालांकि, अब इसे **कृषि और किसान कल्याण विभाग द्वारा ही एक स्वतंत्र कार्यक्रम** के रूप में लागू किया जा रहा है।

अन्य सुर्खियां

रणथंभौर टाइगर रिजर्व

एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित **पार्वती-कालीसिंध-चंबल-पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (PKC-ERCP)** की वजह से रणथंभौर टाइगर रिजर्व के जलमग्न होने का खतरा है।

रणथंभौर टाइगर रिजर्व के बारे में

- **अवस्थिति:** यह **अरावली और विंध्य पहाड़ियों** के बीच स्थित है।
- इसे **1973 में टाइगर रिजर्व** घोषित किया गया था। इस रिजर्व में **रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान; सवाई माधोपुर अभयारण्य; कैलादेवी अभयारण्य; राष्ट्रीय घड़ियाल अभयारण्य का हिस्सा** आदि शामिल हैं।
- **नदियां:** इस रिजर्व के **उत्तर में बनास नदी और दक्षिण में चंबल नदी** बहती हैं।
- **प्राप्त वनस्पतियां:** इसमें सबसे अधिक संख्या में **धोक वृक्ष (एनोगाइसस पेंडुला/ Anogeissus pendula)** पाए जाते हैं।
- **प्राप्त जीव-जंतु:** रॉयल बंगाल टाइगर, तेंदुआ, भारतीय जंगली सूअर, चीतल, सर्पेंट ईगल, जलपक्षी, जलकाग (Cormorant), पेंटेड स्परफाउल, सारस क्रेन, आदि।
- **सांस्कृतिक महत्त्व:** इस टाइगर रिजर्व के भीतर स्थित **रणथंभौर किले को 'यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल'** सूची में शामिल किया गया है।

भार्गवास्त्र (Bhargavastra)

भारत ने अपनी पहली **स्वदेशी माइक्रो-मिसाइल प्रणाली 'भार्गवास्त्र'** का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। इसे **स्वार्म ड्रोन के खतरों से निपटने** के लिए डिज़ाइन किया गया है।

- **स्वार्म ड्रोन** वास्तव में कई **मानव-रहित हवाई वाहनों (UAVs)** के समूह होते हैं। ये सभी **समन्वित प्रणाली के रूप में एक-साथ** कार्य करते हैं।
- **भार्गवास्त्र की मुख्य विशेषताएं**
  - **ड्रोन का पता लगाने की क्षमता:** यह प्रणाली **6 किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित ड्रोन का पता लगाने में सक्षम** है।
  - **त्वरित प्रतिक्रिया:** इसे गतिमान प्लेटफॉर्म पर तुरंत तैनात किया जा सकता है।
  - **मल्टी-टारगेट इंगेजमेंट:** यह प्रणाली एक साथ **64 टार्गेट्स का पता लगाकर उन्हें ट्रैक और निष्क्रिय** कर सकती है।
  - **गाइडेड माइक्रो म्यूनिशन्स:** यह पहचाने गए खतरों की ओर **सूक्ष्म हथियारों को निर्देशित करके उन्हें निष्क्रिय** कर सकती है।

घर से मतदान (Home voting)

हाल ही में, **2,900 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग-जनों (PWDs)** ने आगामी दिल्ली विधान सभा चुनाव के लिए **घर से मतदान करने हेतु आवेदन** किया।

'घर से मतदान' के बारे में

- यह एक प्रकार की **डाक मतपत्र सुविधा (Postal ballot facility)** है। यह सुविधा पहली बार 2024 के लोक सभा चुनावों के दौरान **वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग जनों** द्वारा वोट डालना सुगम बनाने के लिए शुरू की गई थी।
- **पात्रता:**
  - **85 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक;** तथा
  - **40% या उससे अधिक संदर्भित दिव्यांगता** वाले दिव्यांगजन।
- केंद्रीय विधि और न्याय मंत्रालय ने 2024 के लोक सभा चुनाव से ठीक पहले **निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 में संशोधन** किया था। इस संशोधन का उद्देश्य **85 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए डाक मतपत्र से मतदान** करने की अनुमति देना है।

हाइड्रोक्लाइमेट व्हिपलैश

विशेषज्ञों ने अमेरिका में वनाग्नि की भीषणता के लिए **हाइड्रोक्लाइमेट व्हिपलैश को जिम्मेदार** माना है।

- **जलवायु परिवर्तन** ने हाइड्रोक्लाइमेट व्हिपलैश घटना को **और गंभीर** बना दिया है।

हाइड्रोक्लाइमेट व्हिपलैश के बारे में

- यह मौसम संबंधी **दुर्लभ हाइड्रो-क्लाइमेटिक अस्थिरता** की स्थिति है। **अत्यधिक आर्द्र मौसम के बाद अत्यधिक शुष्क मौसम के आने** से यह स्थिति उत्पन्न होती है।
- **प्रभाव:**
  - **अचानक बाढ़, वनाग्नि, भूस्खलन, बीमारी का प्रकोप** जैसे खतरें बढ़ जाते हैं।
  - हानिकारक शैवाल प्रस्फुटन (Harmful algal blooms) बढ़ने या जल में अत्यधिक कार्बनिक या खनिज सामग्री के मिलने से **जल की गुणवत्ता प्रभावित** होती है।
  - पादपों की उत्पादक क्षमता कम हो जाती है, फसल नष्ट हो जाती हैं, बड़ी संख्या में मवेशी मर जाते हैं आदि। इन वजहों से **खाद्य संकट उत्पन्न** हो जाता है।

इलेक्ट्रोकाइनेटिक माइनिंग

हाल ही में, एक शोध दल ने **इलेक्ट्रोकाइनेटिक माइनिंग (EKM)** विकसित की है। यह अयस्कों से **दुर्लभ भू-तत्वों (Rare earth elements-REEs) को निकालने की एक पर्यावरण-अनुकूल तकनीक** है।

- REEs, 17 **धात्विक तत्वों का एक समूह** है। इन तत्वों में विशिष्ट **चुंबकीय, इलेक्ट्रॉनिक और रासायनिक गुण** होते हैं।
- ये खनिज **आधुनिक प्रौद्योगिकियों के निर्माण के लिए अधिक उपयोगी** हैं।

इलेक्ट्रोकाइनेटिक माइनिंग (EKM) के बारे में

- यह एक नवीन तकनीक है। यह तकनीक **अयस्कों से दुर्लभ भू-तत्वों (REEs) की प्राप्ति के लिए इलेक्ट्रोकाइनेटिक्स** का उपयोग करती है।
  - **"इलेक्ट्रोकाइनेटिक्स"** आवेशित कणों या तरल पदार्थों की विद्युत चालित यांत्रिक गति का अध्ययन है।
- **मुख्य विशेषताएं**
  - **उच्च प्राप्ति दर:** इस तकनीक से **अयस्कों से 95% से अधिक REEs प्राप्त** कर ली जाती है।
  - **पर्यावरण अनुकूल:** यह तकनीक वातावरण में **रासायनिक रिसाव को 80% और ऊर्जा खपत को 60% तक कम** करती है। इस तरह यह तकनीक खनिज के **संधारणीय खनन में योगदान** देती है।

गंगासागर मेला

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर **लाखों श्रद्धालुओं ने गंगासागर मेले में डुबकी** लगाई।

गंगासागर मेले के बारे में

- **अवस्थिति:** यह मेला **पश्चिम बंगाल के सुंदरबन डेल्टा में स्थित सागर द्वीप** पर आयोजित किया जाता है।
  - यह द्वीप उस बिंदु पर स्थित है, जहां **गंगा नदी बंगाल की खाड़ी में गिरती** है।
- यह एक **वार्षिक धार्मिक मेला** है। मेले का मुख्य अनुष्ठान विशेष रूप से **मकर संक्रांति पर सूर्योदय के समय संगम में स्नान** करना है।
- **तीर्थ स्थल:** ऋषि कपिल मुनि को समर्पित **कपिल मुनि मंदिर**।
- **महत्त्व:** कुंभ मेले के बाद **दूसरा सबसे बड़ा आयोजन** है।

सेंट्रल सस्पेक्ट रजिस्ट्री

केंद्र ने केवल **90 दिनों में छह लाख धोखाधड़ी वाले लेन-देन को कम** किया है और 1,800 करोड़ रुपये बचाए हैं।

सेंट्रल सस्पेक्ट रजिस्ट्री के बारे में

- **भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C)** ने बैंकों और वित्तीय मध्यस्थों के सहयोग से सेंट्रल सस्पेक्ट रजिस्ट्री की स्थापना की है।
- **उद्देश्य:** वित्तीय इकोसिस्टम में धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन को बढ़ाना।
- **विशेषताएं:**
  - इसमें **1.4 मिलियन साइबर अपराधियों का डेटा** शामिल है।
  - यह रजिस्ट्री साइबर अपराध के संदिग्धों पर समेकित डेटा के साथ एक **केंद्र-स्तरीय डेटाबेस** के रूप में काम करेगी।
  - यह रजिस्ट्री **राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (NCRP) के डेटा का उपयोग** करके साइबर अपराधियों को पहचानने में मदद करेगी।

डिएगो गार्सिया

कन्याकुमारी के 15 भारतीय मछुआरों को डिएगो गार्सिया द्वीप के पास गिरफ्तार किया गया है।

डिएगो गार्सिया के बारे में

- डिएगो गार्सिया उन **60 द्वीपों में से एक है, जो चागोस द्वीपसमूह या ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र (BIOT)** का निर्माण करते हैं। यह **चागोस द्वीपसमूह का सबसे बड़ा दक्षिणी द्वीप** है।
- **इतिहास:** BIOT को **1965 में मॉरीशस से अलग कर यूनाइटेड किंगडम ने अपना अंतिम उपनिवेश** बनाया था।
- **सामरिक महत्त्व:** यहां **सामरिक अमेरिकी सैन्य अड्डा** है। इसका इस्तेमाल **मध्य पूर्व, एशिया और अफ्रीका में निगरानी, ईंधन भरने और परिचालनों** के लिए किया जाता है।
- हाल ही में यूनाइटेड किंगडम ने दशकों के विवाद के बाद **चागोस द्वीप समूह की संप्रभुता मॉरीशस** को सौंप दी है। यद्यपि **डिएगो गार्सिया** अभी भी उसके नियंत्रण में है।

सुर्ख़ियों में रहे स्थल

स्पेन (राजधानी: मैड्रिड)

भारत और स्पेन ने संस्कृति, पर्यटन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में प्रगति पर ध्यान केंद्रित करते हुए 2026 को 'ड्यूल ईयर' के रूप में मनाने का फैसला किया है।

स्पेन के बारे में

- **भौगोलिक अवस्थिति:**
  - स्पेन यूरोप के दक्षिण-पश्चिमी भाग में **आइबेरियन प्रायद्वीप** के अधिकांश हिस्से में स्थित है।
  - **प्रादेशिक सीमा:** पश्चिम में **पुर्तगाल;** उत्तर-पूर्व में **अंडोरा व फ्रांस;** और **जिब्राल्टर** (यूनाइटेड किंगडम का विदेशी राज्य-क्षेत्र) से लगती है।
  - **समुद्री सीमा:** पश्चिम में **अटलांटिक महासागर;** पूर्व में **भूमध्य सागर और बेलिएरिक सागर;** तथा दक्षिण में **अल्बोरान सागर** से लगती है।
- **भौगोलिक विशेषताएं:**
  - **जलवायु:** भूमध्यसागरीय प्रकार की जलवायु पाई जाती है।
  - **पर्वत श्रृंखला:** पायरेनीज (स्पेन और फ्रांस के बीच प्राकृतिक सीमा)।
  - **प्रमुख नदियां:** एब्रो, टैगस, डोरो, गुआडलक्विविर आदि।
  - **अन्य विशेषताएं:** टेबरनास मरुस्थल (यूरोप का एकमात्र वास्तविक मरुस्थल), मेसेटा सेंट्रल (पठार) और एंडालूसी मैदान।
  - **द्वीप समूह:** भूमध्य सागर में बेलिएरिक द्वीप समूह और अफ्रीका के तट के निकट कैनरी द्वीप समूह।

त्रुटि सुधार: 09 जनवरी, 2025

- **'मराठी भाषा को आधिकारिक तौर पर शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया'** आर्टिकल में यह गलत उल्लेख किया गया था कि **गाथासप्तशती, सातवाहन राजा हाल** द्वारा रचित काव्य संग्रह है। यह मराठी की सबसे प्रारंभिक ज्ञात साहित्यिक कृतियों में से एक है।
  - सही जानकारी यह है कि **गाथासप्तशती, सातवाहन राजा हाल** द्वारा रचित काव्य संग्रह है। यह **महाराष्ट्री प्राकृत** की सबसे प्रारंभिक ज्ञात साहित्यिक कृतियों में से एक है।
  - मराठी भाषा **महाराष्ट्री प्राकृत** से विकसित हुई है, जो सातवाहन युग के दौरान बोली जाने वाली प्राकृत भाषाओं की एक बोली थी।